कितने कितने जन्म लिये माँ !

रागः शुभपंतुवराळि

ताळःआदि

पल्लविः

कितने कितने जन्म लिये माँ !
हम तुझको पाने ।।

चरण

१ सागर गर्भ में कई जन्म थे
रेंगते भुवि पर लाखों हुये
गगन जीव बन घूमते रहे
मानव बन के अब आये

2 परम पावनी! माता जननी!
सही ज्ञान हमको सिखा
धर्म अर्थ और काम मोक्ष की
तू ही हमको राह दिखा

3 जनन-मरण के चक्कर से माँ !
हमको दे छुटकारा
निर्गुण भक्ति से हम पायें
सच्चिदानन्दमय जग सारा